RESULT MITRA DAILY CURRENT AFFAIRS

Bhojshala Survey Report

चर्चा में क्यों

- हाल ही में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार भोजशाला का आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया के द्वारा सर्वे किया गया और 151 पेजों की एक रिपोर्ट हाई कोर्ट के समस्त प्रस्तुत कीजिए।

क्यों प्रस्तुत की गई है रिपोर्ट

- भोजशाला के ऊपर हिंदू तथा मुस्लिम पक्ष अपना अपना धार्मिक स्थान होने का दावा करते हैं इसी मामले की सुनवाई मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में चल रही है

पूरा मामला

- भोजशाला परिसर का संबंध राजा भोज से माना जाता है जिन्होंने 1000-1055 ई. में शासन किया।
- हिंदू पक्ष का कहना है की इन्हीं के द्वारा भोजशाला परिषद को बनवाया गया था और यहीं पर देवी वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर है। दूसरी ओर, मुस्लिम पक्ष भोजशाला को कमाल मौलाना मस्जिद कहते हैं।
- इसी भोजशाला का अध्ययन करने के लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के द्वारा ASI को आदेश दिए गए थे जिसमें उन्होंने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- ASI ने 151 पन्नों की सर्वे रिपोर्ट हाईकोर्ट में प्रस्तुत की जिसने कई खुलासे किए गए है।
- किए गए सर्वे और उत्खनन के दौरान देवी-देवताओं की 37 मूर्तियां मिलीं जिससे इस स्थल के ऐतिहासिक होने के प्रमाण मिलते हैं।
- हाई कोर्ट में इस मामले की आगे की सुनवाई 22 जुलाई को होगी।

रिपोर्ट में क्या क्या उल्लेख

- खोदाई में 1700 से ज्यादा पुरावशेष मिले हैं।
- इनमें देवी-देवताओं की 37 मूर्तियां भी शामिल हैं।
- खुदाई में मिली सबसे खास मूर्ति मां वाग्देवी की है जो खंडित अवस्था में है।
- इनमें भगवान श्रीकृष्ण, जटाधारी भोलेनाथ, हनुमान, शिव, ब्रह्मा, वाग्देवी, भगवान गणेश, माता पार्वती, भैरवनाथ आदि देवी-देवताओं की मूर्तियां शामिल हैं।

Result Mitra

भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद परिसर क्या है:-

- भोजशाला मंदिर- जिसे कमाल मौला मस्जिद परिसर के रूप में भी जाना जाता है मूल रूप से 11वीं शताब्दी ई. में निर्मित किया गया था।
- यह देवी सरस्वती का मंदिर था जिसे परमार राजा भोज द्वारा निर्मित कराया गया था।
- मुस्लिम आक्रांताओं के द्वारा इस मंदिर को मस्जिद में परिवर्तित किया गया।
- इस स्मारक को मंदिर से मस्जिद में परिवर्तित करने के स्पष्ट साक्ष्य यहां पर आज भी देखने को मिल जाते हैं
- इस स्थान पर स्मारक में संस्कृत और प्राकृत साहित्यिक कृतियों के साथ अंकित कुछ स्लैब मौजूद हैं।
- लोक प्रचलित मान्यताओं के अनुसार राजा भोज एक प्रसिद्ध कल और साहित्य के संरक्षक थे इन्होंने एक पाठशाला की स्थापना की थी जिसे अब भोजशाला के नाम से जाना जाता है।
- यह स्थान वर्तमान में हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्म के लिए पवित्र है जहां हिंदू प्रत्येक मंगलवार को मंदिर में पूजा अर्चना करते हैं तो वही मुस्लिम समुदाय के लोग प्रत्येक शुक्रवार को नमाज़ पढ़ते हैं।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI)

- इसकी स्थापना वर्ष 1861 में अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा की गई थी।
- अलेक्जेंडर कनिंघम ASI के पहले महानिदेशक थे।
- अलेक्जेंडर कनिंघम को ही "भारतीय पुरातत्त्व का जनक" माना जाता है।
- यह संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है
- यह सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये एक महत्वपूर्ण और प्रमुख संगठन है।
- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण भारत में 3650 से अधिक पुरातात्त्विक स्थलों, प्राचीन स्मारकों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों का प्रबंधन करता है।

पुरातत्त्व सर्वेक्षण के कार्य :-

- पुरावशेषों का सर्वेक्षण करना, पुरातात्त्विक स्थलों की खोज तथा उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण एवं रखरखाव आदि शामिल हैं।

Result Mitra

केपी शर्मा ओली नेपाल के प्रधानमंत्री बने

चर्चा में क्यों

- हाल ही में केपी शर्मा ओली नेपाल के तीसरी बार प्रधानमंत्री बने
- राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने केपी शर्मा ओली को नेपाल के नया प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया।
- केपी शर्मा ओली कम्युनिस्ट पार्टी एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) नेपाली कांग्रेस (एनसी) गठबंधन के द्वारा प्रधान मंत्री नियुक्त किए गए है।
- केपी शर्मा ओली, पुष्प कमल दहल प्रचंड का स्थान लेंगे।

केपी शर्मा ओली इससे पहले भी दो बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं :-

- 11 अक्टूबर 2015 से 3 अगस्त 2016 तक
- फिर 5 फरवरी 2018 से 13 जुलाई 2021

नेपाल के बारे में

- नेपाल एक लेंडलॉक्ड (स्थल रुद्ध) देश है।
- राजधानी:- काठमांडू
- मुद्रा:- नेपाली रुपया (एनपीआर)\
- इसकी सीमा भारत और चीन के साथ सांझा होती है।
- जनसंख्या:- लगभग 30 मिलियन.
- क्षेत्रफल :- 147,181 वर्ग किलोमीटर.

Result Mitra

खर्ची पूजा

चर्चा ने क्यों

- हाल ही में खर्ची पूजा के अवसर पर भारत के प्रधान मंत्री के द्वारा त्रिपुरा के लोगों को शुभकामनाएं दीं गई ।

खर्ची पूजा

- यह त्रिपुरा का एक प्राचीन पारंपरिक त्योहार है
- इस त्यौहार के उपलक्ष में एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है
- इस वर्ष महोत्सव और प्रदर्शनी का विषय है :- हरित ही भविष्य है'।
- यह त्योहार इस क्षेत्र की धार्मिक विरासत और संस्कृति से गहराई से जुड़ा है तथा यहां की यहां की धार्मिक भावनाओं को व्यक्त करता है।
- इसे त्यौहार को 14 देवताओं के त्यौहार के रूप में जाना जाता है।
- इस पूजा का आयोजन आषाढ़ माह (जुलाई-अगस्त) में अमावस्या के आठवें दिन आयोजित किया जाता है।
- खर्ची शब्द को दो त्रिपुरी शब्दों को मिला कर बनाया गया है "खर" और "ची"
- "खर" या खारता का अर्थ है पाप और "ची" या सी का अर्थ है सफाई। इस कारण ही इसको पापों की सफाई का प्रतीक माना जाता है।
- यह सात दिनों तक चलने वाला त्यौहार है।
- खर्ची पूजा में देवताओं के पूरे शरीर की पूजा ना करके उनके केवल सिर की पूजा की जाती है।
- त्यौहार के समय सभी चौदह देवताओं को चन्ताई सदस्यों द्वारा मंदिर से सैद्रा नदी में स्नान के लिए ले जाया जाता है और फिर वापस मंदिर में ले जाया जाता है।

Result Mitra

अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व का सम्मेलन

चर्चा में क्यों

- हाल ही में दोहा में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाले अफगानिस्तान सम्मेलन में भारत शामिल हुआ।
- संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में अफगानिस्तान के लिए आयोजित किया जाने वाला यह तीसरा सम्मेलन है।
- सम्मेलन का उद्देश्य :- तालिबान शासन के तहत अफगानिस्तान के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के तरीके ढूंढना।
- इस सम्मेलन में कुल 25 सदस्यों ने भाग लिया जिसमें भारत भी एक था।
- इस सम्मेलन के माध्यम से तालिबान ने खुद को अफगानिस्तान का एकमात्र प्रतिनिधि घोषित किया है
- तालिबान 2021 से अफगानिस्तान की सत्ता पर अपना कब्जा जमाए हुए हैं
- अफगानिस्तान पर 2001 से लेकर 2021 तक अमेरिकी समर्थित सरकार कार्य कर रही थी।
- शांतिपूर्ण और स्थिर अफगानिस्तान: भारत के लिए महत्वपूर्ण क्यों है :-
- रीजनल कनेक्टिविटी: भारत, अफगानिस्तान से होकर मध्य एशिया तक पहुंच सकता है।
- क्योंकि अफगानिस्तान को मध्य एशियाई क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है।

मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक

- अफगानिस्तान में एक मजबूत तथा स्थिर सरकार इस क्षेत्र में होने वाले नशीले पदार्थों की तस्करी को रोक सकती है।
- अफगानिस्तान डेथ क्रिसेंट का हिस्सा है जिसमे पाकिस्तान और ईरान सामिल है।
- डेथ क्रिसेंट मादक पदार्थों की तस्करी के केंद्र के रूप में जाना जाता हैं।
- पंजाब जैसे राज्य भी इन्हीं क्षेत्रों से होने वाली ड्रग्स तस्करी के कारण परेशान है
- सुरक्षा: उग्रवाद और सीमा पार आतंकवाद में कमी से भारत को लाभ।
- ऊर्जा और अन्य संसाधन: तापी (TAPI) पाइपलाइन का मार्ग प्रशस्त
- स्थिर अफगानिस्तान अपनी तथा पड़ोसी देशों की ऊर्जा जरूरत को पूरा कर सकता है जिसमें तापी जैसी पाइपलाइन मुख्य है "तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत"

Result Mitra